

अटर्नी प्रतिधारण पुं. (अं.+तत्.) विधिक मामलों में अपनी ओर से न्यायालय में उपस्थित और समुचित कार्रवाई करने के लिए किसी अधिवक्ता को नियोजित करना।

अटल वि. (तत्.) 1. जो न टले, न डिगनेवाला, स्थिर, निश्चल 2. जो न मिटे, जो सदा बना रहे, नित्य, चिरस्थायी 3. जिसका होना निश्चित हो, अवश्यभावी 4. ध्रुव, पक्का।

अटलस पुं. (अं.) ऐटलस, मानचित्रावली, पृथ्वी के भिन्न-भिन्न भागों के मानचित्रों का एक पुस्तक रूप में या एक जिल्द में संग्रह।

अटहर पुं. (तद्.) 1. अटाला, ढेर 2. फेंटा, लपेटा, पगड़ी 3. कठिनाई, अड़चन, अटकाव, दिक्कत।

अटॉव वि. (देश.) बुरा दाँव, अनसवर, असमँजस, कठिनाई, कठिन स्थिति।

अटाटूट वि. (तद्.) 1. अनगिनत, बेशुमार 2. नितांत, बिलकुल।

अटारी स्त्री (तद्.) 1. अट्टालिका, ऊँचा भवन 2. छत पर दीवारें डालकर बनाई गई कोठरी, कोठा 3. ऊँचे भवन की छत।

अटूट वि. (तद्.) न टूटने योग्य, अखंडनीय, दृढ़, पुष्ट, मजबूत।

अटेरन स्त्री (तद्.) सूत की आँटी बनाने का लकड़ी का उपकरण।

अटेरना स.क्रि. (तद्.) 1. अटेरन से सूत की आँटी बनाना 2. मात्रा से अधिक मद्य-पान करना।

अटैची स्त्री (अं.) 1. चमड़े, प्लास्टिक आदि का बक्सा, छोटा सूटकेस 2. दे. अताशे।

अटोक वि. (तद्.) बिना रोक-टोक का, प्रतिबंधहीन।

अट्ट पुं. (तत्.) 1. बुर्ज, पहरा देने का ऊँचा स्थान या मीनार 2. महल, प्रासाद या दुर्ग में सेना के रहने का स्थान पुं. (तद्.) 1. पका हुआ चावल, भात, भोज्य पदार्थ 2. रेशमी वस्त्र वि. (तद्.) 1. ऊँचा 2. शुष्क, सूखा, सुखाया हुआ।

अट्टहास पुं. (तत्.) ऊँचे स्वर में हंसी, ठहाका।

अट्टा वि. (तद्.) 1. मचान 2. अटारी।

अट्टाल पुं. (तद्.) 1. ऊपरी मंजिल का कोठा 2. किले का बुर्ज 3. प्रासाद, महल।

अट्टालक पुं. (तत्.) किले का बुर्ज।

अट्टालिका स्त्री. (तत्.) उत्तुंग भवन, बहुमंजिली कोठी।

अट्टी स्त्री. (तद्.) अटेरन पर लपेटी गई सूत या ऊन की लच्छी।

अट्टानबे वि. (तद्.) दे. अठानबे।

अट्टानवेवाँ वि. (तद्.) दे. अठानवेवाँ।

अट्टारह वि. (तद्.) अठारह।

अट्टारहवाँ वि. (तद्.) दे. अठारहवाँ।

अट्टावन वि. दे. अठावन।

अट्टावनवाँ वि. (तद्.) दे. अठावनवाँ।

अट्टासिवाँ वि. (तद्.) दे. अठासिवाँ, उठासीवाँ।

अट्टासी वि. (तद्.) दे. अठासी।

अट्ठे वि. (तद्.) (किसी भी संख्या का) आठ गुना, जैसे- दो अट्ठे सोलह।

अट्टक पुं. (तत्.) 1. छत के ऊपरवाला कमरा, कोठा 2. बंगला 3. प्रासाद, महल।

अट्टा पुं. (तद्.) आठ का समूह, ताश का वह पत्ता जिस पर आठ बूटियाँ बनी होती हैं।

अट्टाईस वि. (तद्.) (वह संख्या) जिसका योग बीस और आठ (28) हो।

अट्टाईसवाँ वि. (तद्.) क्रमवाचक (संख्या) जिसका स्थान सत्ताईसवें के बाद हो।

अठखेल वि. (तद्.) अठखेली करने वाला, शोख, चुलबुला।

अठखेलपन पुं. (तद्.) मस्ती, चंचलता, चपलता, चुलबुलापन।

अठखेली स्त्री. (तद्.) 1. मस्ती, विनोद; क्रीड़ा, चुलबुलापन 2. मतवाली चाल, मस्तानी चाल